लेख

अपने बैंक नोट/मुद्रा को जानें प्राथमिक शिक्षा स्तर पर वित्तीय कौशल विकसित करने हेतु एक पहल

मधुलिका रावल*

यह एक आम समझ है कि आरामदायक जीवन जीने के लिए पैसा महत्वपूर्ण है। यहाँ तक कि छोटे बच्चे भी समझते हैं कि पैसा (बैंक नोट) साधारण कागज के टुकड़े नहीं है। उनके पास वस्तुएँ, जैसे— भोजन, खिलौने, किताबें आदि खरीदने की शक्ति है। प्राथमिक विद्यालय स्तर पर बच्चों को पैसे से की जाने वाली सरल गणितीय गतिविधियाँ सिखाई जाती हैं, किंतु उन्हें बैंक नोटों की पहचान और उनकी विशेषताओं के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जाती है, जो वित्तीय कौशल विकसित करने की प्रथम सीढ़ी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा परिकल्पित 5 + 3 + 3 + 4 की नई शैक्षणिक संरचना के प्राथमिक विद्यालय स्तर में वित्तीय साक्षरता के बीज बोए जाने चाहिए, जिससे बच्चे जीवन के प्रारंभिक दौर में ही पैसे के महत्व को समझ पाएँगे। बैंक नोट की विशेषताओं को समझते हुए उनमें सही-गलत की परख करने की क्षमता विकसित होगी और वे ठगी का शिकार नहीं होंगे।

जन-जागरूकता पहल के अंतर्गत, भारतीय रिज़र्व बैंक भी कहता है— 'अपने बैंक नोटों को जानिए' (Know Your Bank Notes), जिससे धोखाधड़ी की गतिविधियों का शिकार बनने से बचा जा सके। इसके अलावा 2016 में जारी किए गए नए बैंक नोट भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित करते हैं, जिसे सभी भारतीयों को जानना चाहिए और इसकी सराहना करनी चाहिए। प्रस्तुत लेख इस संदर्भ में किए गए एक प्रयोग पर आधारित है, जिसमें एम.सी.डी. स्कूल के पाँचवी क्लास के बच्चों को करेंसी नोटों या बैंक नोटों की जानकारी दी गई, लेकिन इस बात का ध्यान रखा गया कि उन पर कोई मानसिक बोझ न आए। इसलिए ऐसी शिक्षण पद्धति अपनाई गई, जिसमें नोटों की विशेषताओं के विभिन्न पहलुओं की जानकारी को उनकी पाठ्यचर्या के साथ एकीकृत किया गया, चाहे वह पाठ्यचर्या के किसी भी विषय को पढ़ रहे हो, जैसे—भाषा, गणित, कला शिक्षा, विज्ञान या पर्यावरण अध्ययन इत्यादि। जहाँ एक ओर हिंदी कहानी के माध्यम से बैंक नोट में

**स्वतंत्र शिक्षाविद एवं पूर्व-बैंकर*, 103, एस.एफ.एस. प्रगति अपार्टमेंट, पश्चिम विहार, नई दिल्ली 110063

प्रयुक्त सुरक्षा धागे, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर की प्रतिज्ञा, स्वच्छ भारत के लोगो, सांस्कृतिक धरोहरों के चित्रों से संबंधित जानकारी दी गई है तो अंग्रेजी गाने के माध्यम से बैंक नोटों के रंगों की जानकारी दी गई है। पर्यावरण अध्ययन को वित्तीय ज्ञान से जोड़ते हुए भारत का मानचित्र भरवाने का अभ्यास करवाया गया, जिसमें उन्हें उन राज्यों अथवा संघराज्य क्षेत्रों में रंग भरना था, जिसमें नोट के पृष्ठ भाग पर छपे स्मारक स्थित है। गणित और वित्तीय ज्ञान का एकीकरण करते हुए बैंक नोट की विशेषताओं को विभिन्न गणितीय अवधारणाओं, जैसे— आरोही-अवरोही संख्याएँ, आयाम मापन और गुणा, जमा, घटा और भाग की जानकारी के साथ जोड़ा गया है। इस प्रयोग से स्पष्ट है कि मुद्रा नोट या बैंक नोट की जानकारी को पाठ्यचर्या से एकीकृत किया जाए तो बच्चे उसमें रुचि लेकर हिस्सा लेते हैं तथा उनके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन होता है, क्योंकि अब वह नोटों की भाषा को समझने लगते हैं और उनमें 21वीं सदी के मुख्य कौशल भी विकसित होते हुए दिखाई देते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और वित्तीय कौशल

धन के बिना मानव जीवन असंभव है। यह एक ओर आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विनिमय का माध्यम है तो दूसरी ओर मूल्य का भंडार है। इसलिए धन की प्राप्ति और प्रबंधन दोनों महत्वपूर्ण हैं, जिसे वित्तीय कौशल या वित्तीय साक्षरता कहते हैं। इसका उल्लेख हमारी *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* में भी किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक भी इस कौशल को बढ़ावा देने में निरंतर प्रयत्नशील रहता है।

अब प्रश्न उठता है कि क्या बड़ी आयु के लोगों को ही धन की प्राप्ति और प्रबंधन को सीखना चाहिए या इसकी नींव छोटे बच्चों में भी डालनी आवश्यक हो गई है? यदि सचिन तेंदुलकर को 17 या 18 वर्ष की आयु में पहली बार बल्ला पकड़ाया जाता तो दुनिया को सचिन तेंदुलकर की प्राप्ति नहीं होती। उन्होंने 3 वर्ष की आयु से क्रिकेट खेलना शुरू किया और वर्षों के अभ्यास के बाद सफलता प्राप्त कर सके। ठीक उसी तरह से अगर बच्चों को छोटी आयु से ही वित्तीय ज्ञान दिया जाएगा, तभी वे धन की प्राप्ति, उसके उचित खर्च व प्रबंधन में सक्षम हो सकेंगे, जिससे उनमें 21वीं सदी के कौशल, जैसे— विश्लेषण शक्ति, क्रियात्मकता व व्यवहार क्षमता जैसे गुणों का भी विकास होगा।

यह शोध क्यों?

नवंबर 2016 को भारत में एक बड़ा बदलाव हुआ जब ₹500 और ₹1000 के नोट बंद कर दिए गए। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ₹10, ₹20, ₹50, ₹100, ₹200, ₹500 और ₹2000 की नई मुद्रा या बैंक नोट जारी किए गए। वर्तमान में ₹2000 के नोट का भी विमुद्रीकरण कर दिया गया है और शेष उपरोक्त नए बैंक नोट प्रचलन में हैं। ये नए बैंक नोट जानकारी का भंडार हैं, क्योंकि इनमें न केवल असली बैंक नोट को पहचानने और उसे नकली बैंक नोटों से अलग करने के लिए सुरक्षा विशेषताएँ हैं, बल्कि इनमें भारत के ऐतिहासिक स्मारकों की एक शृंखला भी प्रदर्शित है। हमारी इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। इसकी जानकारी बच्चों को होनी चाहिए, क्योंकि स्कूली शिक्षा के लिए *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023*

के अनुसार, हमें कक्षा और वास्तविक दुनिया के बीच निरंतर जुड़ाव को प्रोत्साहित करना चाहिए।

प्राथमिक विद्यालय के बच्चे, विनिमय के माध्यम के रूप में मुद्रा की अवधारणा से अवगत हैं। धन खरीद और बिक्री की सुविधा प्रदान करता है, जिसे वे अपने आस-पास होते हुए देखते हैं। स्कूल में, उन्हें तीसरी कक्षा में गणित विषय के माध्यम से धन से परिचित कराया जाता है। तदनुसार, धन की अवधारणा को पाठ्यपुस्तकों में भारतीय मुद्रा के सिक्कों और नोटों के कुछ चित्रों से केवल गणना और पहचान उद्देश्यों की सुविधा के लिए दिखाया जाता है, किंतु वर्तमान मुद्रा और उसकी विशेषताओं के बारे में कहीं कोई जानकारी नहीं दी जाती है।

ऐसी स्थिति में, इस अध्ययन का उद्देश्य नए बैंक नोटों (महात्मा गांधी नई शृंखला) की अवधारणा को उजागर करना, इसकी सुरक्षा विशेषताओं को जानना, बच्चों को नकली बैंक नोटों की पहचान करने में सक्षम बनाना और उन्हें भारतीय सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराना था। बैंक नोट ऐसा ज्ञान या जानकारी प्रदान करते हैं, जिस पर वयस्कों का भी ध्यान नहीं जाता। इसलिए, उन्हें एक व्याख्यान में भारतीय मुद्रा के सभी पहलुओं पर जानकारी प्रदान करने के बजाय अनुभवात्मक शिक्षा को अपनाकर इस अवधारणा को उनके पाठ्यक्रम के साथ एकीकृत करने का प्रयास किया गया।

शोध के उद्देश्य

बैंक नोट की इस नवीन अवधारणा का एकीकरण गणित, पर्यावरण अध्ययन, हिंदी और अंग्रेजी (भाषाओं) सहित अध्ययन किए जा रहे सभी विषयों के साथ किया गया था, जिसका उद्देश्य था कि विद्यार्थी—

- नए बैंक नोटों की विशेषताओं की जानकारी से परिचित हों।
- पाठ्यक्रम के साथ वित्तीय ज्ञान का अंतर्संबंध बनाएँ और विभिन्न विषयों को निर्विवाद खंडों के रूप में न पढ़ें।
- 21वीं सदी के प्रमुख कौशल विकसित करने के लिए कक्षा में पर्याप्त अवसर प्राप्त करें।

वित्तीय कौशल के लिए अपनाई गई कार्यप्रणाली अथवा प्रक्रिया

यह अध्ययन/शोध एम.सी.डी. विद्यालय, जनता क्वार्टर, पश्चिमपुरी, नई दिल्ली के कक्षा 5 के 40 बच्चों के साथ किया गया। यह बच्चे 9–11 वर्ष तक की आयु के थे। एक सप्ताह तक प्रतिदिन उनके 2 पीरियड लिए गए। प्रत्येक पीरियड की अवधि 40 मिनट थी। वित्तीय कौशल की गतिविधियाँ उस सप्ताह के लिए उनके विभिन्न विषयों की पाठ-योजना पर आधारित थीं, ताकि विभिन्न विषयों की पाठ्यचर्या और वित्तीय कौशल में अंतर्संबंध बनाया जा सके। इस ज्ञान को बच्चों को देते हुए यह आवश्यक है कि ऐसी शिक्षा पद्धति अपनाई जाए कि वह ज्ञान उनके लिए अतिरिक्त बोझ न बने। इसे अन्य विषयों के पाठ्यक्रम में इस प्रकार एकीकृत किया जाए कि अपने विषयों को पढ़ते हुए वित्तीय ज्ञान प्राप्त हो या हम दूसरी तरह से कहें तो वित्तीय ज्ञान प्राप्त करते हुए उनके विभिन्न विषयों का पाठ्यक्रम भी पूरा हो। अब प्रश्न यह उठता है कि बैंक नोट की विशेषताओं को व्याख्यान विधि से भी तो बताया जा सकता था,

फिर उसे अन्य विषयों के साथ एकीकृत करने की क्या आवश्यकता है? इसके उत्तर में पहली बात यह है कि यदि सभी बैंक नोटों की सारी विशेषताएँ एक साथ बताई जाएँ तो वे याद नहीं रहती और दूसरी बात यह है कि बच्चे के दिमाग पर बोझ पड़ता है। उसकी ग्रहण शक्ति भी प्रभावित होती है। इसलिए बैंक नोटों की जानकारी को अलग-अलग विषयों के साथ एकीकृत किया गया और हर विषय में एक अलग पहलू की विशेषताएँ बताई गईं। कक्षा में हिंदी विषय में कहानी, अंग्रेजी विषय में गाना, पर्यावरण अध्ययन में मानचित्र भरना, ड्राइंग, पावर पॉइंट प्रस्तुति (पी.पी.टी.) तथा गणितीय गतिविधियों के द्वारा बैंक नोट की जानकारी दी गई। बच्चों का रचनात्मक आकलन किया गया और साथ ही गलतियों में सुधार किया गया। एक प्रश्नावली के माध्यम से प्राथमिक डेटा संग्रह द्वारा प्राप्त उत्तर से परिणाम का विश्लेषण किया गया और अभिभावकों और अध्यापकों से इंटरव्यू के माध्यम से अध्ययन/शोध के परिणामों की प्रतिपुष्टि प्राप्त की गई।

वित्तीय कौशल के विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाई गई गतिविधियों की व्याख्या

नए बैंक नोटों के बारे में ज्ञान— पावरपॉइंट प्रस्तुतियों और वास्तविक बैंक नोटों की मदद से जागरूकता प्रदान की गई। विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया गया जिससे वे भारतीय बैंक नोटों की विशेषताओं और नकली बैंक नोटों की जाँच करने के विशिष्ट बिंदुओं से अवगत हुए।

चित्र 1— (पी.पी.टी.) की सहायता से करेंसी नोटों की विशेषताएँ समझाना

गतिविधि का परिणाम— इस गतिविधि द्वारा बच्चों में बैंक नोटों के प्रति प्रारंभिक जागरूकता पैदा की गई।

वित्तीय कौशल का भाषाओं के साथ एकीकरण

वित्तीय कौशल और भाषाओं का एकीकरण हिंदी में कहानी के माध्यम से और अंग्रेजी में गाने के माध्यम से किया गया। कक्षा में तीन पात्रों— चीकू खरगोश (विद्यार्थी), बकरी दीदी (कक्षा अध्यापिका) और लोमड़ी चाची (दुकानदार) की सहायता से मुद्रा की विशेषताओं की व्याख्या की गई।

वित्तीय कौशल का हिंदी भाषा के साथ एकीकरण— कहानी सुनाना और लिखना

चीकू खरगोश और लोमड़ी चाची जैसे जानवरों की दुनिया के पात्रों की सहायता से मुद्रा की विशेषताओं को प्रस्तुत किया गया। इस कहानी में चीकू अपने जन्मदिन पर धोखाधड़ी का शिकार होता है और उसे ₹500 का नकली नोट मिलता है, जिसके बारे में उसे लोमड़ी चाची की दुकान पर केक, पेस्ट्री लेते हुए पता चलता है। लोमड़ी चाची, चीकू और उसके दोस्तों को बैंक नोट के सुरक्षा धागे, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर की प्रतिज्ञा, स्वच्छ भारत के लोगो, सांस्कृतिक धरोहर के चित्र से संबंधित विशेषताएँ बताती हैं।

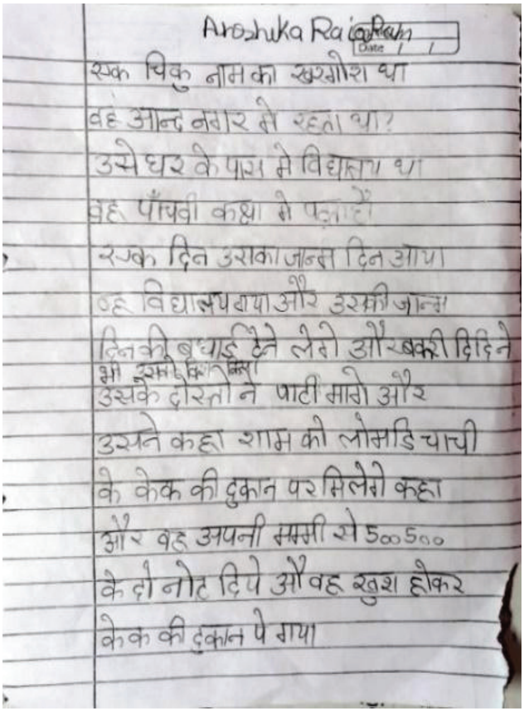
Aroshika Rajaram

एक चिकु नाम का खरगोश था
वह आनंद नगर में रहता था?
उसे घर के पास मे विद्यालय था
वह पाँचवी कक्षा मे पढता है
एक दिन उसका जन्म दिन आया
वह विद्यालय गया और उसकी जन्म
दिन की बधाई देने लगे और बकरी दीदि ने
उसके दोस्तो ने पाटी मागी और
उसने कहा शाम को लोमडि चाची
के केक की दुकान पर मिलेगे कहा
और वह अपनी मम्मी से 500 500
के दो नोट दिये औ वह खुश होकर
केक की दुकान पे गया

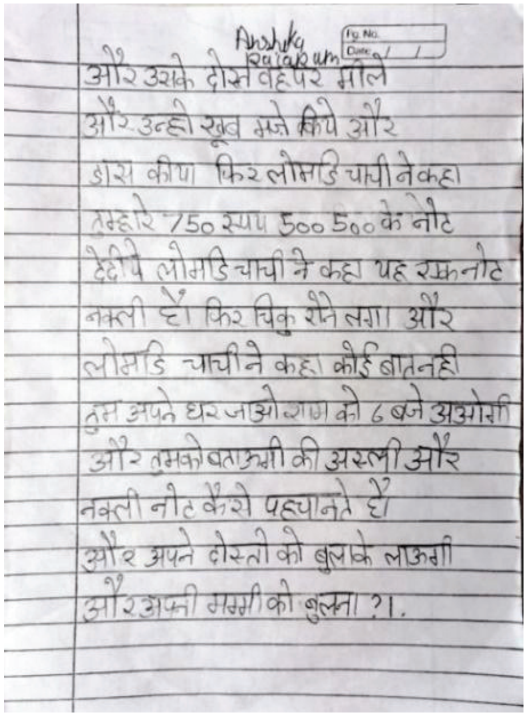
Aroshika Rajaram

और उसके दोस्त वह पर मीले
और उन्हो खूब मजे किये और
डास कीया फिर लोमडि चाची ने कहा
तुम्हारे 750 रुपय 500 500 के नोट
देदीये लोमडि चाची ने कहा यह एक नोट
नक्ली है फिर चिकु रोने लगा और
लोमडि चाची ने कहा कोई बात नही
तुम अपने घर जाओ शाम को 6 बजे आओगी
और तुमको बताऊगी की असली और
नक्ली नोट कैसे पहचाने है
और अपने दोस्तो को बुलाके लाऊगी
और अपनी मम्मी को बुलना ?।

चित्र 2— एक विद्यार्थी द्वारा लिखी गई कहानी

कहानी सुनाने के बाद विद्यार्थियों को स्वयं कहानी लिखने के लिए कहा गया, जिससे उनकी याद रखने की क्षमता और लेखन क्षमता की जानकारी हो। संज्ञा और सर्वनाम की पहचान के बाद वर्तनी की त्रुटियों को सुधारने का अभ्यास भी कराया गया। व्याकरण अभ्यास की प्रक्रिया में एम.सी.डी. द्वारा दी गई सप्ताह की पाठ-योजना के आधार पर कहानी को रिक्त स्थान के साथ लिखा गया, जिसमें विद्यार्थियों को— का, के, की, में, से और ने भरने का अभ्यास कराया गया।

इस गतिविधि के परिणाम का विश्लेषण

यह महत्वपूर्ण है कि 12.5 प्रतिशत विद्यार्थियों को छोड़कर, बाकी विद्यार्थी विद्यार्थी को याद रखने और लिखने में सक्षम थे। (कुछ वर्तनी की गलतियों के साथ, जिन्हें बाद में कक्षा में सुधारा गया था।)

वित्तीय कौशल का अंग्रेजी भाषा के साथ एकीकरण

जब कक्षा अध्यापिका बकरी दीदी को चीकू को मिले नकली नोट की जानकारी हुई तो उन्होंने कक्षा में स्वरचित अंग्रेजी गाने के माध्यम से बैंक नोट के रंगों के बारे में जानकारी दी, क्योंकि 2016 में जारी किए गए विभिन्न नोट अपनी अलग पहचान के रूप में अलग रंग से बनाए गए हैं, जैसे— ₹10 का नोट चॉकलेट ब्राउन रंग का है, तो ₹100 का नोट बैंगनी रंग का है, जैसा कि चित्र में देखा जा सकता है।

वित्तीय कौशल और चित्रकला—नए बैंक नोटों का चित्रण

चित्रकला बच्चों का मनभावन विषय होता है। इस रुचि का प्रयोग करते हुए बैंक नोट की विशेषताओं को चित्रित करने की गतिविधि को कक्षा में प्रदर्शित किया गया।

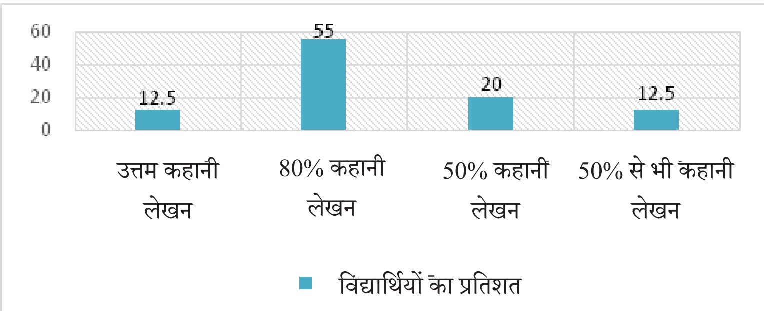

आरेख 1— *गतिविधि का परिणाम दर्शाने वाला आरेख*

स्त्रोत— https://rbikehtahai.rbi.org.in/know-your-banknotes.html

चित्र 3— बैंक नोटों के रंग

इस गतिविधि के परिणाम का विश्लेषण—लगभग सभी बच्चे विभिन्न नोट के रगों को पहचानने और उन्हें दुबारा बताने में सक्षम थे।

विद्यार्थियों को बैंक नोटों की अनूठी विशेषताओं को दर्शाने वाले उनके रेखाचित्र तैयार करने के लिए कहा गया। इसके अलावा, इन्हें बैंक नोटों के समान सटीक माप (exact dimensions) के साथ तैयार किया जाना था। तैयार किए जाने वाले नोट की अनिवार्य विशेषताएँ—

- भारतीय रिजर्व बैंक का नाम
- गांधी जी की छवि
- नोट के दाईं ओर आकृतियाँ
- सुरक्षा धागा
- नोट की क्रम संख्या
- अशोक स्तंभ का प्रतीक

इस गतिविधि के परिणाम का विश्लेषण

5 प्रतिशत विद्यार्थी पाँच या पाँच से अधिक विशेषताओं वाले और 45 प्रतिशत विद्यार्थी चार विशेषताओं वाले बैंक नोट बना पाए।

वित्तीय कौशल का पर्यावरण अध्ययन के साथ एकीकरण—मानचित्र भरने की गतिविधि

विद्यार्थियों को फिर से पावरपॉइंट पर बैंक नोटों के पीछे सांस्कृतिक विरासत स्थलों या स्मारकों की तस्वीरें दिखाई गईं, छह बैंक नोटों के पीछे स्मारक बने हैं। जैसे— ₹10, ₹20, ₹50, ₹100, ₹200 और ₹500। उन्हें उन राज्यों अथवा संघराज्य क्षेत्रों

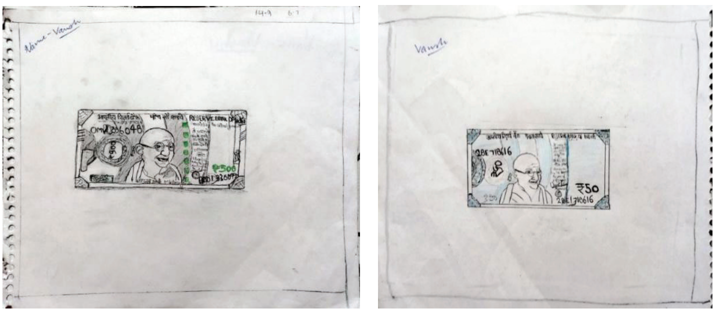

चित्र 4— एक विद्यार्थी द्वारा बनाया गया मुद्रा नोट का चित्र

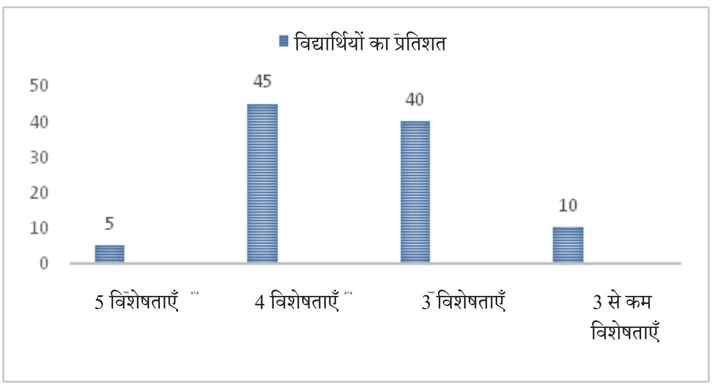

आरेख 2— गतिविधि का परिणाम दर्शाने वाला आरेख

से अवगत कराया गया, जिनमें ये स्मारक स्थित हैं। उन्हें उन राज्यों अथवा संघराज्य क्षेत्रों की राजधानियों के बारे में भी जानकारी दी गई। उनसे मानचित्र पर उन राज्यों को संबंधित स्मारकों वाले नोट के रंग से रंगने के लिए कहा गया।

उदाहरण के लिए, ₹100 के बैंक नोट पर 'रानी की वाव' की तस्वीर है, जो गुजरात में स्थित है। नोट बैंगनी रंग का है। इसलिए, उन्हें मानचित्र में गुजरात राज्य को बैंगनी रंग से रंगना था और गुजरात की राजधानी, गांधीनगर को भी अंकित करना था।

विद्यार्थियों ने भारत के भौगोलिक मानचित्र में निम्नलिखित पहलुओं को भरा—

- बैंक नोट का मूल्य
- राज्य अथवा संघराज्य क्षेत्र का नाम
- स्मारक का नाम
- उस राज्य अथवा संघराज्य क्षेत्र की राजधानी का नाम

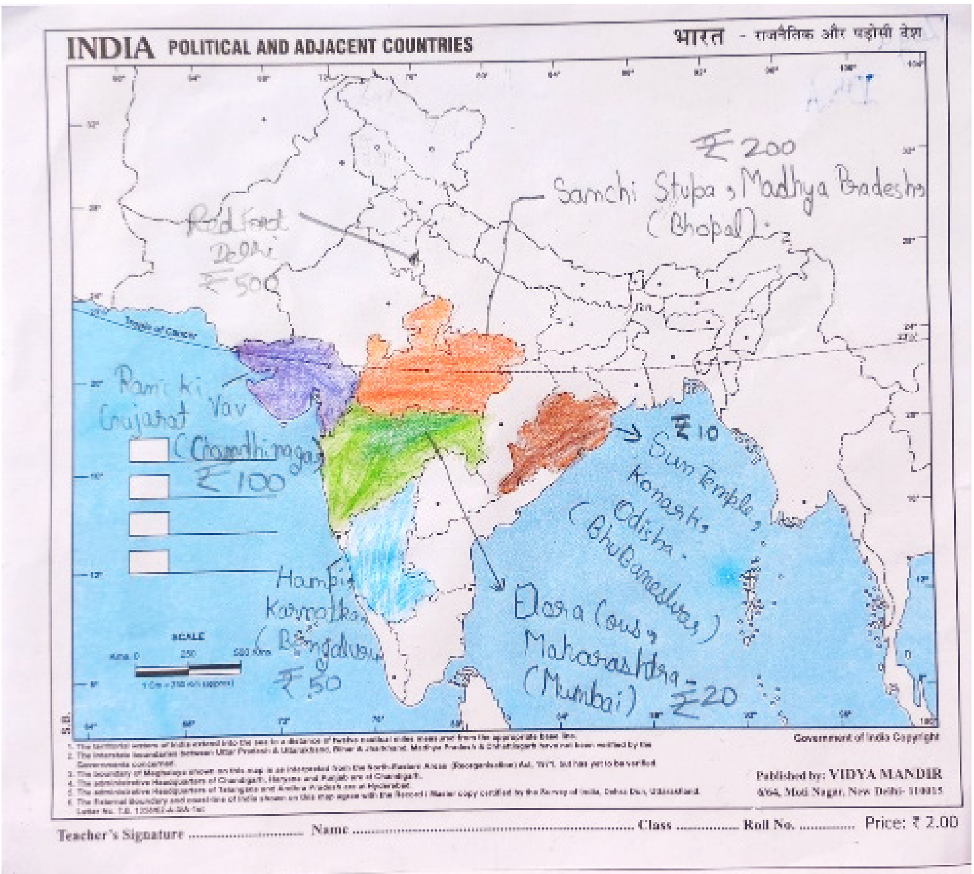

चित्र 5— मानचित्र भरने की गतिविधि— उन राज्यों अथवा संघराज्य क्षेत्रों को भरना जहाँ स्मारक स्थित हैं

इस गतिविधि के परिणाम का विश्लेषण

बच्चों द्वारा भरे गए नक्शों की जाँच करने पर यह पाया गया कि छह राज्यों अथवा संघराज्य क्षेत्रों में 60 प्रतिशत विद्यार्थी बैंक नोटों से संबंधित सभी 4 पहलुओं को भरने में सक्षम थे।

गणितीय कार्य— वित्तीय कौशल का गणित के साथ एकीकरण

विभिन्न गणितीय अवधारणाओं को बैंक नोटों के ज्ञान के साथ एकीकृत किया गया—

- **आरोही और अवरोही क्रम**— बैंक नोटों में नंबर पैनल में अंक आरोही क्रम में लिखे जाते हैं। इसी के द्वारा आरोही और अवरोही संख्याओं का भी ज्ञान दिया गया।
- **विभिन्न नोटों पर आकृतियाँ**— उदाहरण के लिए नए ₹500 के नोट के दाईं ओर वृत्त का आकार है।
- **विभिन्न बैंक नोटों के आयाम को नापना**— जो कक्षा पाँच के गणित पाठ्यक्रम का विषय था।
- **किसी विशेष राशि के भुगतान के लिए बैंक नोटों का संयोजन बनाना**—कक्षा में चर्चा की गई कहानी के अनुसार, चीकू को ₹250 लौटाने थे, जिसे वह विभिन्न रूप से संयोजित कर सकता है, जैसे— ₹50 के 5 नोट (50x5) दे सकता है या फिर एक ₹200 का नोट और ₹50 रुपए का एक नोट (200+50) दे सकता है या फिर एक ₹200 का नोट और दो ₹20 के नोट और एक ₹10 का नोट (200+20+20+10) दे सकता है। इस तरह से कई संयोजन किए जा सकते हैं। बच्चों ने विभिन्न संयोजन बनाए, जिससे जोड़, घटा, गुणा और भाग का अभ्यास भी किया।

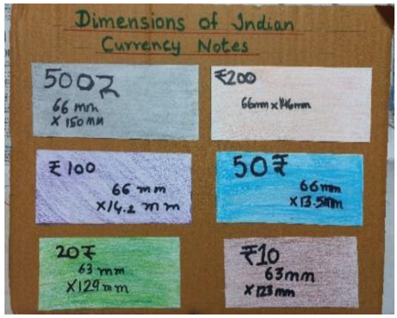

चित्र 6— विभिन्न बैंक नोटों के आयामों का मापन और संयोजन

इस गतिविधि के परिणाम का विश्लेषण

70 प्रतिशत विद्यार्थी बैंक नोटों को सही ढंग से मापने में सक्षम थे और 15 प्रतिशत विद्यार्थी 80 प्रतिशत सटीकता के साथ नोटों को मापने में सक्षम थे।

कक्षा में की गई उपरोक्त गतिविधियों के बाद, इनकी प्रदर्शनी का आयोजन— 'अपने बैंक नोटों को जानिए' शीर्षक से किया गया जिसमें विद्यालय के अन्य अध्यापक/अध्यापिकाएँ, प्रधानाचार्य, स्कूल प्रबंधन समिति (एस.एम.सी.) के सदस्य और अभिभावक आमंत्रित थे। सभी ने प्रदर्शनी का दौरा किया और अपने बच्चों के अभिनव प्रयासों और कार्यों को देखकर प्रसन्न हुए।

कक्षा पाँच के पाठ्यक्रम के साथ 'अपने बैंक नोटों को जानिए' की अवधारणा को एकीकृत करने के लिए आयोजित गतिविधियों ने विद्यार्थियों के बीच 21वीं सदी के कौशलों के विकास के संदर्भ में महत्वपूर्ण परिणाम दिए। कक्षा शिक्षक और यहाँ तक कि प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों की समझ, प्रतिधारण स्तर, प्रेरणा और संचार कौशल में उल्लेखनीय गुणात्मक सुधार देखा। प्रत्येक गतिविधि विद्यार्थियों के बीच 21वीं सदी के कई कौशलों को सामने लाने में सहायक थी।

चित्र 7— 'अपने बैंक नोटों को जानिए' प्रदर्शनी में प्रदर्शित गतिविधियाँ

परिणामस्वरूप विकसित की गई गतिविधि और कौशल का विवरण निम्नानुसार सारणीबद्ध है—

तालिका— संचालित गतिविधियों के माध्यम से 21वीं सदी के प्रमुख कौशलों का समावेश

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	21 वीं सदी के कौशलों का विकास
1.	नए बैंक नोटों के बारे में ज्ञान	इस गतिविधि ने आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित करने में मदद की।
2.	वित्तीय कौशल का हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं के साथ एकीकरण	कहानी और गाने के माध्यम से याद रखने की क्षमता, लेखन क्षमता और संचार क्षमता को जाँचने तथा विकसित करने में मदद हुई।
3.	वित्तीय कौशल और चित्रकला नए बैंक नोटों का चित्रण	इस गतिविधि ने अवलोकन, याद रखने और देखे गए तथ्यों की पुनरावृत्ति को बेहतर बनाने में मदद की।

4.	वित्तीय कौशल का पर्यावरण अध्ययन के साथ एकीकरण— मानचित्र भरने की गतिविधि	इस गतिविधि से पहचान करने की क्षमता, कलात्मक क्षमता, और याद रखने की क्षमता विकसित करने के साथ-साथ आलोचनात्मक सोच विकसित करने में मदद मिली।
5.	गणितीय कार्य— गणित के साथ एकीकरण	इस गतिविधि ने याद रखने, मापने की क्षमता, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान के साथ-साथ गणनात्मक क्षमता और पहल को विकसित किया।

शोध के शैक्षिक निहितार्थ

वर्तमान शोध अध्ययन के निष्कर्ष के विश्लेषण से निम्नलिखित शैक्षिक निहितार्थ प्राप्त हुए—

- प्राथमिक स्तर से ही वित्तीय ज्ञान की जागरूकता पर बल दिया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ आर्थिक रूप से सजग और सबल बनें।
- उनमें धन के प्रति धनात्मक दृष्टिकोण भी विकसित हो।

यदि वित्तीय ज्ञान को एकीकृत और गतिविधि आधारित पद्धति से दिया जाए तो यह पद्धति

- सभी विषयों में अंतरसंबंध स्थापित करके विषय की बेहतर समझ में सहायक होगी।
- सहज उपस्थिति की समस्या को हल करने में मदद करेगी।
- कक्षा को सहभागी और इंटैरेक्टिव बनाएगी, जिससे बेहतर याद रखने और समझने में मदद होगी।
- सोचने और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करेगी।
- विद्यार्थियों में 21वीं सदी के कौशलों का विकास होगा।

निष्कर्ष

इस अध्ययन में, 'अपने बैंक नोटों को जानिए' की नवीन अवधारणा को कला-एकीकृत, कहानी और गाने की मदद से हिंदी और अंग्रेजी भाषा विषयों, गणित और पर्यावरण अध्ययन के साथ एकीकृत करने का प्रयास किया गया। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के अनुरूप अनुभवात्मक शिक्षण नीति इस बात की पुष्टि करती है कि "सभी चरणों में प्रायोगिक आधारित अधिगम को अपनाया जाएगा, जिसमें अन्य वस्तुओं के अलावा स्वयं करके सीखना और प्रत्येक विषय में कला और खेल को एकीकृत किया जाएगा और कहानी आधारित शिक्षणशास्त्र को प्रत्येक विषय में एक मानक शिक्षणशास्त्र के तौर पर देखा जाएगा। साथ ही विभिन्न विषयों के बीच संबंधों की खोज को प्रोत्साहित किया जाएगा।" (*राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020*, पृष्ठ 18)

उपर्युक्त एकीकृत और अंतर-पाठ्यचर्या शिक्षणशास्त्र का पालन करने से विद्या के वित्तीय ज्ञान के स्तर में वृद्धि हुई, उन्हें देश के बैंक नोटों की जानकारी मिली और साथ ही 21वीं सदी के प्रमुख कौशलों का विकास भी हुआ, जो बदलते समय में प्रासंगिक हैं।

सुझाव

शिक्षा की एकीकृत शिक्षण पद्धति को न केवल प्राथमिक स्तर, अपितु शिक्षा के संघटनात्मक ढाँचे के सभी स्तरों पर प्रयोग करना लाभदायक होगा।

संदर्भ

आर.बी.आई. कहता है— https://rbikehtahai.rbi.org.in/know-you-banknotes.html

एन.एस.डी.ए.आई.आर, पी.बी.सी.ओ.आई. 29 दिसंबर 2023. वित्त मंत्री ने ए.एम. जैन कॉलेज में वित्तीय साक्षरता और विकास लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। समाचार सेवा प्रभाग (ऑल इंडिया रेडियो न्यूज)। https://newsonair.gov.in/News?title=वित्त मंत्री मुख्य बातें-वित्तीय-साक्षरता और विकास लक्ष्य पर ए.एम. जैन कॉलेज.

रा.शै.अ.प्र.प. 2023. *स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023.* पृ.सं. 51. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NCF_School-Education-Pre-Draft.pdf

शिक्षा मंत्रालय. 2020. *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020.* शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf